বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. Honours Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - III

Subject : SANSKRIT

Paper : C 5-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
The figures in the margin indicate full marks.

1. अधोनिर्दिष्टेषु यथेच्छं **त्रयाणां प्रश्नानामुत्तरं** प्रदेयम्। $20 \times 3 = 60$

(क) अभिज्ञानशकुन्तलनाटकस्य दुर्वाससः शापवृत्तान्तस्य नाट्यतात्पर्यं व्याख्यायताम्।

(ख) स्वप्नवासवदत्तनाटकस्य नामकरणं सार्थकं न वेति विचार्यताम्।

(ग) मुद्राराक्षसमिति नाटके चाणक्यस्य चरित्रं प्रतिपाद्यताम्।

(घ) कालिदासोत्तरसंस्कृतनाट्यसाहित्ये कयोश्चिद् द्वयोः नाट्यकारयोः परिचयः प्रदातव्यः।

(ङ) श्लोकद्वयं व्याख्येयम् —

(i) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं

मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।

Vidyasagar University

इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी

किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।

(ii) भुषणाधुपभोगेन प्रभुर्भवति न प्रभुः।

परैरपरिभूताझस्त्वमिव प्रभुरुच्यते।।

(च) भावसम्प्रसारणं कार्यम् —

(i) सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।

(ii) कर्तारः सुलभा लोके विज्ञातारस्तु दुर्लभाः।

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. Honours Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - III

Subject : SANSKRIT

Paper : C 6-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
The figures in the margin indicate full marks.

1. अधोनिर्दिष्टेषु यथेच्छं **त्रयाणां प्रश्नानामुत्तरं** प्रदेयम्। $20 \times 3 = 60$

(क) मम्मटानुसारं काव्यलक्षणं व्याख्येयम्।

(ख) भट्टनायकस्य भुक्तिवादः सयुक्तिकमालोच्यताम्।

(ग) साहित्यदर्पणानुसारेण सदृष्टान्तं महाकाव्यलक्षणं प्रतिपाद्यताम्।

(घ) शब्दशक्तिषु व्यञ्जनायाः स्वरूपं विभागश्च वर्ण्येताम्।

(ङ) सलक्षणं सोदाहरणम् अलङ्काराणां परिचयः प्रदेयः।
यमकम्, उपमा, निदर्शना, व्यतिरेकः।

(च) सलक्षणं सोदाहरणं छन्दसां परिचयः प्रदेयः।
इन्द्रवज्रा, रुचिरा, मन्दाक्राता, अनुष्टुप्।

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. Honours Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - III

Subject : SANSKRIT

Paper : C 7-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
The figures in the margin indicate full marks.

1. अधोलिखितेषु यथेच्छं **त्रयाणां प्रश्नानामुत्तरं** प्रदेयम्। $20 \times 3 = 60$

(क) वैदिकयुगादारभ्य बौद्धयुगपर्य्यन्तं प्राचीनभारतस्य राजधर्मः संक्षेपेण आलोच्यताम्।

(ख) महाभारतानुसारम् आन्तर्विवाहव्यवस्था विलिख्यताम्।

(ग) सप्ताङ्गराष्ट्रविषये एको निबन्धो विरच्यताम्।

(घ) प्राचीनभारते वर्ण–जातिव्यवस्थाविषये प्रबन्धो विरचनीयः।

(ङ) प्राचीनभारते आश्रमव्यवस्थाविषये आलोचना कार्या।

(च) टीका लेख्या – षाड्गुण्यम्, मिताक्षरा, कौटिल्यः, शुक्राचार्यः।

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. Honours Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - III

Subject : SANSKRIT

Paper : SEC 1-T

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
The figures in the margin indicate full marks.

[ACTING AND SCRIPT WRITING]

1. अधोनिर्दिष्टेषु यथेच्छं **द्वयोः प्रश्नयोरुत्तरं** प्रदेयम्। $20 \times 2 = 40$

(क) नाटकस्य अप्रधानचरित्रविषये आलोचना कार्या।

নাটকের অপ্রধান চরিত্র বিষয়ে আলোচনা কর।

(খ) नाट्यप्रयुक्तानां पञ्चानाम् अर्थप्रकृतीनां विवरणं प्रदेयम्।

নাট্যপ্রযুক্ত পঞ্চ অর্থপ্রকৃতির বিবরণ দাও।

(গ) पञ्चानां सन्धीनां लक्षणं सोदाहरणमालोच्यताम्।

পঞ্চ সন্ধির লক্ষণ সোদাহরণ আলোচনা কর।

Vidyasagar University

(घ) टीका लेख्या — अभिनयः, नान्दी, सूत्रधारः, प्रासङ्गिकं वृत्तम्।

টীকা লেখ — অভিনয়ঃ, নান্দী, সূত্রধারঃ, প্রাসঙ্গিকং, বৃত্তম্।

[READING SKILLS IN BRAHMI SCRIPTS]

1. अधोनिर्दिष्टेषु यथेच्छं **द्वयोः प्रश्नयोरुत्तरं** प्रदेयम्। $2 \times 20 = 40$

(क) ब्राह्मीवर्णमालायाः पाठोद्धारस्य इतिहासः विव्रियताम्।

ব্রাহ্মীবর্ণমালার পাঠোদ্ধারের ইতিহাস বর্ণনা কর।

(घ) ब्राह्मीलिपिः कतिविधा? काः च ताः? संक्षेपेण आलोच्यन्ताम्।

ব্রাহ্মীলিপি কয় প্রকার? কি কি? সংক্ষেপে আলোচনা কর।

(ग) गुप्तब्राह्मी का? कथं सा गुप्तब्राह्मी इति कथ्यते? सविस्तरम् आलोच्यताम्।

গুপ্তব্রাহ্মী কি? কেন তাকে গুপ্তব্রাহ্মী বলা হয়—সবিস্তারে আলোচনা কর।

(घ) ब्राह्मीवर्णमालायां कति स्वरवर्णाः? के च ते? दक्षिणभारते तस्याः विकाशस्येतिहासः विव्रियताम्।

ব্রাহ্মীবর্ণমালাতে কতগুলি স্বরবর্ণ আছে? তারা কি কি? দক্ষিণ ভারতে তার বিকাশের ইতিহাস বর্ণনা কর।

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. Honours Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - III

Subject : SANSKRIT

Paper : GE 3-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
The figures in the margin indicate full marks.

[INDIAN AESTHETICS]

1. **अधोलिखितेषु प्रश्नत्रयं समाधेयम् :** 20 × 3 = 60

(क) संस्कृतालंकारशास्त्रानुसारतः सौन्दर्यस्य स्वरूपमालोचनीयम्।

(क) সংস্কৃতালংকারশাস্ত্রানুসারে সৌন্দর্যের স্বরূপ আলোচনা কর।

(ख) साहित्यदर्पणानुसारेण रसस्य उपादानानि वर्णनीयानि।

(খ) সাহিত্যদর্পণানুসারে রসের উপাদানগুলি বর্ণনা কর।

(ग) वक्रोक्तितत्त्वविषये निबन्धः लेखनीयः।

(গ) বক্রোক্তিতত্ত্ববিষয়ে নিবন্ধ লেখ।

Vidyasagar University

(घ) संस्कृतालंकारशास्त्रे क्षेमेन्द्राचार्यस्य अवदानं निरूपणीयम्।

(घ) সংস্কৃত অলঙ্কারশাস্ত্রে ক্ষেমেন্দ্র আচার্যের অবদান নিরূপণ কর।

(ङ) भारतीयसौन्दर्यतत्त्वस्य मुख्यप्रवक्तृरूपेण आचार्यस्य वामनस्य कृतित्वमालोचनीयम्।

(ঙ) ভারতীয়সৌন্দর্যতত্ত্বের মুখ্য প্রবক্তৃরূপে আচার্য বামনের কৃতিত্ব আলোচনা কর।

(च) रसानुभूतेः मानसिकस्तरचतुष्टयमालोचनीयम्।

(চ) রসানুভূতির চারটি মানসিক স্তর আলোচনা কর।

[FUNDAMENTALS OF INDIAN PHILOSOPHY]

1. अधोनिर्दिष्टेषु यथेच्छं **त्रयाणां प्रश्नानामुत्तरं** प्रदेयम्। $20 \times 3 = 60$

(क) जैनदर्शने स्याद्वादः व्याख्यायताम्।

(ক) জৈনদর্শনের স্যাদ্‌বাত ব্যাখ্যা কর।

(ख) अद्वैतवेदान्तानुसारेण ब्रह्म-जगतोः स्वरूपं वर्ण्यताम्।

(খ) অদ্বৈতবেদান্তানুসারে ব্রহ্ম ও জগতের স্বরূপ বর্ণনা কর।

(ग) चार्वाकमतानुसारं देहात्मवादः विव्रियताम्।

(গ) চার্বাকমতানুসারে দেহাত্মবাদ বর্ণনা কর।

(घ) अष्टाङ्गयोगविषये कश्चन प्रबन्धो विरचयत।

(ঘ) অষ্টাঙ্গযোগ বিষয়ে একটি প্রবন্ধ রচনা কর।

(ङ) सांख्यसम्मतः सत्कार्यवादः आलोच्यताम्।

(ঙ) সাংখ্যসম্মতং সৎকার্যবাদ আলোচনা কর।

(च) वैशेषिकसम्मताः सप्त पदार्थाः व्याख्यायन्ताम्।

(চ) বৈশেষিকসম্মত সাতটি পদার্থ ব্যাখ্যা কর।

Vidyasagar University

[ANCIENT INDIAN POLITY]

1. अधोनिर्दिष्टेषु यथेच्छं **त्रयाणां प्रश्नानामुत्तरं** प्रदेयम्। $20 \times 3 = 60$

(क) राष्ट्रशासने दण्डनीतेः का एव उपयोगिता? धर्मशास्त्रादि-ग्रन्थानुसारेण आलोच्यताम्।

(क) রাষ্ট্রশাসনে দণ্ডনীতির উপযোগিতা কি? ধর্মশাস্ত্রাদিগ্রন্থানুসারে আলোচনা কর।

(ख) धर्मशास्त्राद्यनुसारेण राज्ञामुत्पत्तिविषये वैश्यद्येन आलोच्यताम्।

(খ) ধর্মশাস্ত্রাদি অনুসারে রাজার উৎপত্তি বিশদে আলোচনা কর।

(ग) 'सप्ताङ्गमुच्यते राज्यम्' इति विषये प्रबन्धो विरच्यताम्।

(গ) 'সপ্তাঙ্গমুচ্যতে রাজ্যম্'—এই বিষয়ে প্রবন্ধ রচনা কর।

(घ) अर्थशास्त्राद्यनुसारेण मन्त्रिपरिषदः गठनशैली कीदृशी आसीत्?

(ঘ) অর্থশাস্ত্রাদি অনুসারে মন্ত্রিপরিষদের গঠনশৈলী কীরূপ ছিল?

(ङ) प्राचीन-भारतीय-कर-व्यवस्थाविषये दिग्दर्शनं क्रियताम्।

(ঙ) প্রাচীন ভারতীয় করব্যবস্থাবিষয়ে দিগ্‌দর্শন কর।

(च) स्वराज्ये कृत्याकृत्य-पक्षरक्षणविषये उपाय-चतुष्टयस्य उपयोगिता आलोच्यताम्।

(চ) স্বরাজ্যে কৃত্যাকৃত্যপক্ষ রক্ষণ বিষয়ে উপায়চতুষ্টয়ের উপযোগিতা আলোচনা কর।

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়
VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examinations 2020
(Under CBCS Pattern)
Semester - III
Subject: SANSKRIT
Paper : DSC 1C/2C-T
Sanskrit Drama

Full Marks : 60
Time : 3 Hours

Candiates are required to give their answer in their own words as far as practicable.
The figures in the margin indicate full marks.

1. অধোনির্দিষ্টেষু যথেচ্ছং **त्रयाणां प्रश्नानामुत्तरं** প্রদেয়ম্। 20 × 3 = 60

নিম্নলিখিত যে কোনো **তিনটি** প্রশ্নের উত্তর দাও।

(ক) भासविरचितनाटकानां परिचयः प्रदेयः।

ভাস বিরচিত নাটকগুলির পরিচয় দাও।

(খ) अभिज्ञानशकुन्तलनाटकस्य दुर्वासशापवृत्तान्तस्य नाट्यतात्पर्यं लिखत।

অভিজ্ঞানশকুন্তলা নাটকের দুর্বাসার অভিশাপবৃত্তান্তের নাট্যতাৎপর্য লেখ।

(গ) भवभूतेः दृश्यकाव्यानि आलोच्यन्ताम्।

ভবভূতির নাটকগুলি আলোচনা কর।

Vidyasagar University

(घ) प्रतिमानाटकस्य नायकः कः ? पाठ्यांशमवलम्ब्य तस्य चारित्रिकं वैशिष्ट्यं वर्णयत।

প্রতিমানাটকের নায়ক কে? পাঠ্যাংশানুসারে তার চারিত্রিক বৈশিষ্ট্য বর্ণনা কর।

(ङ) श्लोकद्वयं व्याख्येयम्।

শ্লোক দুটি ব্যাখ্যা কর।

(i) अर्थो हि कन्या परकीय एव

तामद्य संप्रेस्य परिग्रहीतुः।

जातो ममायं विशदः प्रकाश्मं

प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।

(ii) चरति पुलिनेषु हंसी काशांसुकवासिनी सुसंहृष्टा।

मुदिना नरेन्द्रभवने त्वरिता प्रतिहाररक्षीव।।

(च) टीका लेख्या : आकाशभाषितम्, भरतवाक्यम्, रत्नावली, मृच्छकटिकम्।

টীকা লেখ : আকাশভাষিতম্, ভরতবাক্যম্, রত্নাবলী, মৃচ্ছকটিকম্।

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - III

Subject : SANSKRIT

Paper : SEC 1-T

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
The figures in the margin indicate full marks.

[COMPUTER AWARENESS FOR SANSKRIT]

1. **अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्।** 20 × 2 = 40

निम्नलिखित যেকোনো ***দুটি*** প্রশ্নের উত্তর দাও।

(ক) 'Power Point' इत्यस्मिन् विषये प्रबन्धं लिखत।

'Power Point' এই বিষয়ে একটি প্রবন্ধ লেখ।

(খ) 'Java Script' इत्यस्य गुरुत्वविषये प्रबन्धं रचयत।

'Java Script' এর গুরুত্ব বিষয়ে প্রবন্ধ লেখ।

Vidyasagar University

(গ) संस्कृततथ्यानां संग्रहणे अन्तर्जालस्य उपयोगिता व्याख्येया।

সংস্কৃত তথ্য সংগ্রহের ক্ষেত্রে Internet-এর উপযোগিতা ব্যাখ্যা কর।

(ঘ) 'MS Word' इत्यस्मिन् विषये एको निबन्धो लिख्यताम्।

'MS Word' এই বিষয়ে একটি নিবন্ধ লেখ।

[INDIAN ARCHITECTURE SYSTEM]

1. **अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्।** 20 × 2 = 40

নিম্নলিখিত যেকোনো ***দুটি*** প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) टोडरमल-विरचितं 'वास्तुसौख्यम्' इति ग्रन्थानुसारेण वास्तुप्रयोजनं सविस्तारमालोचनीयम्।

টোডরমল বিরচিত 'বাস্তুসৌখ্যম্' গ্রন্থানুসারে বাস্তুপ্রয়োজন সবিস্তারে আলোচনা কর।

(ख) भूमि-परीक्षणं नाम किम्? 'वास्तुसौख्यम्' इति ग्रन्थानुसारेण वृक्षरोपणविषये एको निबन्धो लेख्यः।

ভূমি-পরীক্ষণ কী? 'বাস্তুসৌখ্যম্' গ্রন্থানুসারে বৃক্ষরোপণ বিষয়ে একটি নিবন্ধ লেখ।

(ग) वास्तुचक्रं नाम किम्? स्तम्भप्रमाणस्य वर्धमानवास्तुलक्षणस्य च वैशिष्ट्यानि उल्लिख्यन्ताम्।

বাস্তুচক্র কী? স্তম্ভপ্রমাণ ও বর্ধমানবাস্তুলক্ষণের বৈশিষ্ট্যগুলি উল্লেখ কর।

(घ) टीका लेख्या : द्वारफलम्, सर्वतोभद्रः।

টীকা লেখ : দ্বারফল, সর্বতোভদ্র।

Vidyasagar University